नवंबर-2024

ई-पत्रिका VOL: XI

Green Planet
SINCE 2002

ग्रीन मोर्निंग

मिशन : धरती माँ को बचाओ

"मेहनत का फल जरूर मिलता है,
बस हिम्मत बनाए रखें।"

Read on 08-09
Vision & Voice With

अनिरुद्ध दिनकर पिंपळे

पॉवर प्लांट | न्यूटवेट्स | हर्बन्यूट्स | होमडेट्स प्रोडक्ट्स | हर्बकोस

Green Planet
SINCE 2002

विषय सूची

कृषि उत्पाद	01	पॉवर प्लांट स्ट्रेस आउट	02
सर्वोत्तम परिणाम	03	पोस्ट-हार्वेस्ट	04-05
हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स	06	ओर्थोसोल	07
अनिरुद्ध दिनकर पिंपळे	08-09	कैनोपी डे	10-11
क्रांति मीट	12	पशुचिकित्सक की देखभाल	13

Green Planet®
SINCE 2002

कृषि उत्पाद

पौधों की वृद्धि के लिए संतुलित पोषण

जैविक संरक्षण आपकी फसलों के लिए

कैसे उगाये तनाव मुक्त फसल

खेती के लिए उर्वरक बहुत ही महत्वपूर्ण साधन हैं। ये फसलों को बढ़ने में सहायता करते हैं और उत्पादन में वृद्धि करते हैं। लेकिन आजकल उर्वरक का प्रयोग कैसे करना है, यह समझना किसानों के लिए एक चुनौती बन गया है। सही समय, मात्रा और प्रकार का चयन न करने पर फसल को फायदा होने की बजाय नुकसान हो सकता है। इस कारण कई बार किसानों में तनाव बढ़ जाता है।

पौधों के तनाव को प्रतिकूल पर्यावरणीय या जलवायु परिस्थितियों, जैसे पोषक तत्वों की कमी, अपर्याप्त सिंचाई, बाढ़, अत्यधिक गर्मी या ठंड, बीमारी या कीट संक्रमण के प्रति नकारात्मक प्रतिक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। तनाव के दो प्रकार हैं: जैविक और अजैविक। अजैविक तनाव पर्यावरणीय जैसे पानी (सूखा या बाढ़), तापमान (उच्च या निम्न तापमान), प्रकाश , और मिट्टी में जहरीले रसायनों (लवणता, क्षारीयता, भारी धातु संदूषण, कीटनाशक, शाकनाशी और कवकनाशी) द्वारा प्रेरित होते हैं। प्रकाशित शोध के अनुसार, जैविक और अजैविक तनाव उत्पादन को 65-87 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। भारतीय कृषि युग में इन बाधाओं के जवाब में, ग्रीन प्लैनेट ने पौधों के तनाव से लड़ने के लिए यूरोपीय तकनीक पर आधारित एक नया समाधान विकसित किया है, जिसे "पावर प्लांट स्ट्रेस आउट" नाम दिया गया है।

Power Plant Stress Out यूरोपीय तकनीक पर आधारित एक अत्याधुनिक सूत्रीकरण है जो पौधों को प्रतिकूल वातावरण में तनाव से निपटने में मदद करता है। यह आधुनिक सिलिकॉन रसायन विज्ञान पर आधारित है, और यह पत्तियों पर स्प्रे के रूप में प्रशासित होने पर पौधे के चारों ओर सिलिका शील्ड बनाता है। सिलिका अवरोध वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से पानी की हानि को कम करता है, जैविक तनाव के लिए पौधे की सहनशीलता में सुधार करता है, और गिरने से रोकता है। सिलिका अवरोध वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से पानी की हानि को कम करता है, जैविक और अजैविक तनावों के लिए पौधे की सहनशीलता में सुधार करता है, और गिरने से रोकता है। PPSO मिट्टी से सभी महत्वपूर्ण पोषक तत्वों के अवशोषण और पौधे प्रणाली में उनके उपयोग को सुविधाजनक बनाकर पैदावार में भी सुधार करता है।

यह कैसे काम करता है?

पॉवर प्लांट स्ट्रेस आउट का काम सिलिकॉन रसायन विज्ञान की उन्नत तकनीक पर आधारित है, जिसमें मोनो सिलिकिक एसिड (ऑर्थो-सिलिकिक एसिड) जैसे सिलिकॉन के पौधे-उपलब्ध रूप शामिल हैं। PPSO में सक्रिय घटक पौधों की पत्तियों और जड़ों द्वारा पूरी तरह से अवशोषित हो जाते हैं जब उन पर छिड़काव किया जाता है। यह तने की ताकत में सुधार करता है, जिससे यह अधिक वजन सहन कर सकता है।

जैसे-जैसे पौधे के सिलिकॉन का स्तर बढ़ता है, वैसे-वैसे उसके पोषक तत्वों का सेवन और वितरण बढ़ता है, साथ ही साथ उसके पत्तों में क्लोरोफिल की मात्रा भी बढ़ती है । इसके अलावा, पत्ती के क्यूटिकल के नीचे एक सिलिकॉन शील्ड फंगल रोगजनकों के प्रवेश को बाधित करता है और पाउडर फफूंदी, काले धब्बे, पाइथियम, फाइटोफ्थोरा और अन्य जैसे फंगल संक्रमणों के खिलाफ एक भौतिक बाधा के रूप में काम करता है।

लाभ:-

- पत्तियों और तनों में एपिडर्मल कोशिकाएँ मजबूत होती हैं।
- यह पौधे के चारों ओर सिलिका आवरण बनाकर उसे बचाता है।
- यह पौधे की प्रणाली को मजबूत करता है, जिससे यह अधिक वजन सहन कर सकता है।
- यह पौधे की प्रणाली को मिट्टी से पोषक तत्वों को अवशोषित करने और वितरित करने में मदद करता है।
- यह आपको कीटों और बीमारियों के प्रति अधिक प्रतिरोधी बनाता है।
- चूँकि फल और सब्ज़ियाँ कम पानी खोती हैं, इसलिए उनकी शेल्फ़ लाइफ़ और बाज़ार मूल्य बढ़ जाता है।

खुराक: 2-3 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की खुराक की सलाह दी जाती है।

सर्वोत्तम परिणाम

नितिन गणेश नरवाडे

मेरा नाम नितिन गणेश नरवाडे है | मैं गाँव बारा, तहसील उमरखेड जिला यवतमाल का रहने वाला हूँ | मैं पिछले 3 साल से ग्रीन प्लैनेट मिशन "धरती माँ को बचाओ " के साथ जुड़ा हुआ हूँ | मैं ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल अपने खेतो मे गन्ना, सोयाबिन, चना इत्यादि फसलों पर कर रहा हूँ मुझे बहुत ही अच्छे परिणाम मिल रहे है | लगभग 25 - 30 % उपज बढ़ी है | इस साल मौसम खराब होने के कारण फंगस बहुत होने के कारण चने की फसल पूरी तरह खराब हो चुकी थी , लेकिन ऐसी विपरीत परिस्थिति मे भी हमने प्रति एकड़ 10 किवंटल चने की फसल ली है । ग्रीन प्लैनेट के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से बहुत ही अच्छे परिणाम मिले है | मेरी सभी किसानों से गुजारिश है कि आप किसी भी फसल के ऊपर सिर्फ 1-2 एकड़ में ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल किजिए | आपको रिजल्ट का पता चल जायेगा मैंने भी शुरू में ऐसे ही किया है, मैं सभी किसान भाइयो को यही कहना चाहता हूँ कि आप भी ग्रीन प्लैनेट के मिशन "धरती माँ को बचाओ " के साथ जुड़े | धन्यवाद !

गणेश टेमकर

मेरा नाम गणेश टेमकर है | मैं करंजी, अहमदनगर, महाराष्ट्र का किसान हूँ । मैं 3 साल से संतरा और अनार को ग्रीन प्लैनेट के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स भूमी पॉवर , प्रिमियम, रूट गार्ड, एस टी, ग्रो, नायट्रोकिंग, ब्लूम, फ्रुटर, कॅल्शियम EDTA, पेस्टोहिट, PPFC, PPNP, फंगोहिट, अर्गोमाईट, स्प्रेड ऑल-90 का इस्तेमाल कर रहां हूँ। ग्रीन प्लैनेट के रिजल्ट मैंने YouTube पर देखे और मैंने मोबाइल नंबर लेके प्रोडक्ट्स की जानकारी ली | मैंने सभी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल अपनी फसलों पर किया। इससे मुझे बहुत लाभ हो रहा है। कम लागत में उत्पादन तो बढ़ा और जमीन उपजाऊ हुई है। ब्लूम का इस्तेमाल करने से फूलों की संख्या में बहुत बढ़ोतरी हुई है | संतरा के पेड़ को इतने फल मैंने पहली बार देखे । फलों के साइज के लिए ब्लूम के साथ फ्रूटर और कॅल्शियम EDTA का इस्तेमाल किया जिससे सभी फलों का साइज बढ़ा, शाइनिंग आई और क्वालिटी लिटी भी बढ़ी। जमीन में प्रिमियम, भूमि-पॉवर और रूट गार्ड का इस्तेमाल करने से जमीन भी उपजाऊ हुई और खेतों में केंचुओं कि संख्या में बढ़ोतरी हुई। ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करने से खर्चा कम हुआ | इसी के साथ जहर मुक्त फल बेचने का मेरा सपना भी ग्रीन प्लैनेट के माध्यम से पूरा हुआ । आज मैं ग्रीन प्लैनेट के मिशन "धरती माँ को बचाओ" के साथ जुड़ा हूँ | मैं सभी किसान भाइयों से बोलूँगा कि आप भी ग्रीन प्लैनेट के आर्गेनिक प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करें और आर्गेनिक फसल उगाएँ तथा अपनी भूमि को उपजाऊ बनाएँ | धन्यवाद !

पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट और भंडारण समाधान

पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट और भंडारण समाधान

भारत में कृषि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, और किसानों की मेहनत का फल तभी मिलता है जब फसल सही समय पर कटाई के बाद सही ढंग से संभाली और भंडारित की जाए। पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट का मतलब है फसल की कटाई के बाद उसकी सही देखभाल, ताकि उसे नुकसान से बचाया जा सके और फसल लंबे समय तक सुरक्षित रहे।

पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट क्या है?

पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट का अर्थ है फसल की कटाई के बाद उसकी सही देखभाल और भंडारण। इसमें फसल को कटाई के तुरंत बाद सही तरह से सुखाना, साफ करना, पैक करना और सुरक्षित भंडारण करना शामिल होता है। अगर इन प्रक्रियाओं को सही तरीके से नहीं किया जाए, तो फसल खराब हो सकती है, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

पोस्ट-हार्वेस्ट के प्रमुख चरण

1.कटाई (Harvesting): फसल की कटाई सही समय पर और सही विधि से की जानी चाहिए। अगर समय पर कटाई नहीं की गई, तो फसल खराब हो सकती है, और गुणवत्ता भी गिर सकती है।

2.सुखाना (Drying): कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह से सुखाना जरूरी है। खासकर अनाज और दालों को अगर अच्छी तरह से न सुखाया जाए तो नमी के कारण उनमें फफूंद लग सकती है। धूप में सुखाने का परंपरागत तरीका सबसे आसान और सस्ता है।

3.सफाई (Cleaning): फसल को साफ करना जरूरी होता है, ताकि धूल, मिट्टी और अन्य अवांछनीय चीजों को हटाया जा सके। इससे फसल की गुणवत्ता बनी रहती है और उसे ज्यादा समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

4.छंटाई और ग्रेडिंग (Sorting and Grading): फसल को गुणवत्ता के आधार पर अलग करना जरूरी होता है, ताकि खराब और अच्छी गुणवत्ता की फसल को अलग-अलग भंडारित किया जा सके। इससे बाजार में अच्छे दाम मिलते हैं।

5.पैकेजिंग (Packaging): फसल को सुरक्षित रखने के लिए सही तरह की पैकेजिंग जरूरी है। प्लास्टिक के बैग, बोरे, या हवादार जूट के बोरे फसलों के लिए अच्छे विकल्प होते हैं। इससे नमी और कीड़ों से बचाव होता है।

भंडारण के समाधान

1.गोदाम (Warehousing): फसल को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए अच्छा गोदाम होना बहुत जरूरी है। गोदाम का निर्माण ऐसा होना चाहिए, जो वायुवाहित हो और उसमें नमी से बचाव हो। किसानों के पास अपना गोदाम नहीं हो तो सरकारी या निजी गोदामों का उपयोग किया जा सकता है।

2.साइलो (Silos): अनाज के भंडारण के लिए साइलो एक बेहतरीन समाधान है। ये बड़े कंटेनर होते हैं, जिनमें अनाज को सुरक्षित रखा जाता है। साइलो में फसल कीटों और नमी से बची रहती है, और उसे लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

3.मिट्टी के भंडार (Earthen Storage Bins): ग्रामीण क्षेत्रों में यह एक पुरानी और सस्ती विधि है, जहां मिट्टी के बड़े बर्तनों का उपयोग किया जाता है। इन्हें ठंडी और सूखी जगह पर रखा जाता है, ताकि अनाज खराब न हो।

4.धूम्रन (Fumigation): यह एक रासायनिक प्रक्रिया है, जिससे फसल को कीड़ों और फफूंद से बचाया जाता है। धूम्रन से अनाज को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है, लेकिन इसका इस्तेमाल सावधानी से करना चाहिए।

5.कोल्ड स्टोरेज (Cold Storage): फल और सब्जियों को लंबे समय तक ताजा रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज का उपयोग किया जाता है। यह विधि महंगी हो सकती है, लेकिन सरकारी योजनाओं के तहत किसानों को इसकी सुविधा दी जाती है।

पोस्ट-हार्वेस्ट नुकसान को कैसे कम करें?

1.सही समय पर कटाई: फसल की सही समय पर कटाई करना बहुत जरूरी है। इससे फसल की गुणवत्ता बनी रहती है और नुकसान कम होता है।

2.भंडारण से पहले सुखाना: फसल को भंडारण से पहले पूरी तरह से सुखाना चाहिए, ताकि नमी की वजह से नुकसान न हो।

3.कीट नियंत्रण: भंडारण के दौरान कीड़ों से बचाव के लिए समय-समय पर गोदाम और अन्य भंडारण स्थलों की साफ-सफाई और कीटनाशक का इस्तेमाल जरूरी है।

4.तकनीकी ज्ञान: किसानों को नई तकनीकों और उपकरणों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, ताकि वे बेहतर पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट कर सकें।

निष्कर्ष

पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट और सही भंडारण से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है, क्योंकि इससे फसल की बर्बादी कम होती है और फसल की गुणवत्ता बनी रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों के किसान यदि सही समय पर फसल की देखभाल और भंडारण का ध्यान रखें, तो उन्हें अच्छे बाजार मूल्य मिल सकते हैं और उनकी मेहनत का पूरा लाभ मिल सकता है। सरकार द्वारा भी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनके तहत किसानों को गोदाम, कोल्ड स्टोरेज और तकनीकी सहायता मिलती है। किसानों को इनका अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए।

Green Planet®
SINCE 2002

हेल्थ केयर प्रोडक्ट्स

- आयुर्वेदिक
- पर्सनल केयर
- फ़ूड सुपप्लिमेंट्स
- ब्यूटी केयर
- ऍफ़ एम् सी जी

Green Planet®
SINCE 2002

हर्बन्यूट्स®

ऑरथोसोल™

दर्द से राहत

आज के इस दौर में जहां हर कोई अपने कामों में उलझा है और किसी के पास वक्त नहीं कि किसी से बात भी करें। हर कोई बस पैसा इकट्ठा करने और अपनी आने वाली ज़िन्दगी को और भी ज्यादा आरामदायक बनाने में लगा हुआ है। जितना हम अपनी ज़िन्दगी में नई तकनीकों और नई चीज़ों को लेकर आते हैं उतना ही हम लोग अपने शरीर की क्रियाशक्ति की खोते चले जा रहे हैं और इस बात की जानकारी हम सबको खुद हमारा शरीर हमें किसी न किसी जरिए करवाता है। सबसे आम समस्या है जोड़ो का दर्द जिसे हम Arthritis भी कहते हैं।

Arthritis या गठिया जोड़ों में सूजन उत्पन्न करता है। गठिया एक प्रकार का Rheumatoid Arthritis है जिससे जोड़ों में लाली आती है, दर्द होता है और शरीर के दूसरे अंग भी प्रभावित हो सकते हैं जैसे दिल, आँखे, रक्त वाहिकाए आदि। इसके इलावा हमारे शरीर की नसों में भी खिचाव रहने लगता है जिससे पीड़ा उत्पन्न होती है।ऐसी समस्याओं से निज़ात पाने के लिए Green Planet ने Orthosol Tablets के साथ एक और आविष्कारी तेल का निमार्ण किया है जिसका नाम है “Orthosol Pain Relief Oil”“Orthosol Pain Relief Oil” के इस्तेमाल से कई सारे फायदे हैं । यह कई प्रकार के प्राकृतिक अवयवों से बना है। इसलिए इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है जो की एक विशेष गुण है। इस तेल के नियमित रुप से इस्तेमाल से करने आराम मिलता है। यही नही यह पीठ दर्द, कंधे का दर्द, हाथ का दर्द आदि में भी काफी फायदेमंद है। बेहतर परिणाम के लिए दोनो Orthosol Tablets तथा “Orthosol Pain Relief Oil का एक साथ इस्तेमाल करें।

लाभः—

1. हड्डीयों को मजबूत बनाने में मदद करता है।
2. जोड़ों के दर्द को खत्म करता है तथा उन्हें स्वस्थ बनाने में मदद करता है।
3. पुराने **osteoarthritis** ;ऑस्टियोआर्थराइटिसद्ध के उपचार में मदद करता है।
4. क्षतिग्रसत नसों तथा जोड़ों के उपचार में मदद करना।
5. शरीर में सूजन, जकड़न, मासपेशियों में दर्द, अकड़ाव आदि से राहत दिलवाना।

Green Morning दोस्तों, मेरा नाम अनिरुद्ध दिनकर पिंपळे है। मैं महाराष्ट्र के उमरगा तालुका के कटेर गाँव से हूँ। मैंने M.A. (Geography) तक की पढ़ाई की है। मेरे परिवार में मेरी पत्नी, माँ, और बेटा हैं। मेरे पिताजी बस ड्राइवर थे, और परिवार बड़ा होने के कारण मुझे बचपन से ही कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। 10वीं कक्षा तक की पढ़ाई मैंने सरकारी स्कूल में की, लेकिन पढ़ाई के पर्याप्त साधन न होने के कारण बीच-बीच में खेती में भी काम करना पड़ा। M.A. के बाद मैंने कुछ जगहों पर इंटरव्यू दिए, पर असफलता का सामना करना पड़ा। इसके बाद मैंने एक इन्वेस्टमेंट बिजनेस में काम किया और 11 साल तक एक ही कंपनी से जुड़ा रहा। कुछ कारणों से वह कंपनी बंद हो गई और मेरे ऊपर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। मैं बहुत परेशान था। उस समय मैंने Green Planet के बारे में सुना था। मुझे काम और पैसे की बहुत जरूरत थी, इसलिए मैंने खुद लातूर जाकर Green Planet ऑफिस में जाकर उनका प्लान समझ लिया। 15 जनवरी 2015 को मैंने Green Planet बिजनेस शुरू किया।

Vision & Voice With

अनिरुद्ध दिनकर पिंपळे

मेरे अनुभव के आधार पर, मैंने हमेशा ईमानदारी से काम किया और इसी ईमानदारी ने मुझे करियर में सफलता दिलाई। मैंने आज तक जो भी काम किया, पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ किया है। जब से ग्रीन प्लैनेट में काम शुरू किया, तब से मैंने किसी दूसरी कंपनी का प्लान सुना भी नहीं अपनी टीम और कस्टमर्स के साथ ईमानदारी से काम किया। मेहनत करने की आदत ने मुझे सफल बनाया है। हर काम को सकारात्मक सोच के साथ करता हूँ।

मैं हमेशा यह देखता हूँ कि जिन परेशानियों से मैं गुजरा हूँ, उनसे मेरे परिवार को न गुजरना पड़े। आज मेरा बेटा Podar International School में पढ़ता है। अच्छी शिक्षा, अच्छा रहन- सहन और घूमना-फिरना यह सब ग्रीन प्लैनेट की वजह से संभव हुआ है।

मेरी कमजोरी रही है कि मैं जल्दी ही लोगों पर विश्वास कर लेता था। मुझे लगा था कि मेरी टीम के लोग मेरे साथ लंबा काम करेंगे, लेकिन जब मैं पहली बार कोरल लेवल पर पहुँचा, तो मेरी टीम के कई लोग मेरी सफलता देखकर काम छोड़ गए और दूसरी कंपनियों में चले गए। इससे मेरा Business ग्राफ एकदम नीचे चला गया और एक समय ऐसा आया कि मैं टीम में अकेला ही काम कर रहा था। लेकिन मैंने हार नहीं मानी और Green Planet से जुड़ा रहा। नए-नए लोगों को जोड़ना शुरू किया, जिससे मेरी ग्रोथ धीरे-धीरे बढ़ने लगी और एक नई, मजबूत टीम बन गई। आज मेरी टीम में 12 Coral, 4 Ruby और मैं खुद Silver Star Ambassador लेवल पर हूँ।

मेरी नज़र में सफलता का अर्थ सिर्फ पैसे कमाना नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। आपकी वजह से कितने परिवार खुशहाल महसूस कर रहे हैं, यही असली सफलता है। पिछले 20 साल के करियर में मैंने तीन सिद्धांतों पर काम किया है:

1.लीडरशिप: मुझे हमेशा लीडरशिप में एक्टिव रहना पसंद है। टीम के साथ रहकर, किसी भी परिस्थिति से रास्ता निकालना और टीम के हर सदस्य के साथ सुख-दुख में शामिल रहना मुझे अच्छा लगता है। मैं अपनी टीम और समाज के प्रति आदर्श बने रहने का प्रयास करता हूँ।

2.सहयोग: मैंने अपने जीवन में हर किसी को सहयोग दिया है। मेरे प्रयासों से उनके जीवन में खुशहाली आए, यही मेरी कोशिश रहती है। शास्त्रों में कहा गया है कि अच्छे कर्मों का फल मिलता है, और इसी बात को मैं मानता हूँ।

3.काम पर फोकस: मैंने जो भी काम किया है, उसे पूरी निष्ठा और लगन के साथ किया है। ग्रीन प्लैनेट से जुड़ने के कारण मेरी जिंदगी में स्थिरता आई। इस कंपनी में मुझे सबसे बड़ी बात समाज में प्रतिष्ठा मिली। इस कंपनी के साथ मैंने अपनी पहली विदेश यात्रा थाईलैंड और सिंगापुर करी। इसके बाद परिवार के साथ भी सिंगापुर यात्रा की, जो मेरा सपना था। इसके अलावा दार्जिलिंग, महाबलेश्वर, हरिद्वार और अयोध्या जैसे Dometic Tour भी किया | दौरा किया। दो बसों में 100 लीडर के साथ गोवा में ग्रीन प्लैनेट की annual Meet की। इस कंपनी में आने के बाद मैंने हुंडई ऑरा कार खरीदी। आज मैं **Silver Star Ambassador लेवल** पर हूँ और इस कंपनी में एक बार मैंने एक महीने का चेक 8,50,000/- रुपये तक प्राप्त किया है। आने वाले दिनों में Gold Star King बनने का सपना है। मेरे टीम से 50 रूबी और 100 कोरल बनाना है, और मुझे विश्वास है कि Green Planet का सपोर्ट और प्रोडक्ट्स मेरे इस सपने को पूरा करेंगे। मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूँ कि मुझे Green Planet जैसी कंपनी मिली। मैं सभी किसान भाइयो यही निवेधन करूँगा कि आप सब भी ग्रीन प्लैनेट के मिशन धरती माँ बचाओ के साथ जुड़े | धन्यवाद |

कैनोपी डे

Dentomine
Choco
TULSI
THE GREEN PLANET OVERVIEW
WELCOME
Green Planet
Wide Network All Over
INDIA & ABROAD

WELCOME
Green Planet

Green Planet
SINCE 2002

क्रांति 2.0

GREEN PLANET
MISSION : SAVE THE MOTHER EARTH
Green Planet
WELCOME TO

GREEN PLANET
WELCOME TO

GREEN PLANET
MISSION : SAVE THE MOTHER EARTH

Green Planet
SINCE 2002

वेट केयर
प्रोडक्ट्स

आप के मवेशियों की जरूरतों का समाधान

ग्रीन प्लैनेट बायो प्रोडक्ट्स

जी.पी पॉवर,1-अमर गार्डन नियर पठानकोट चौक जालंधर -पंजाब (144004.)
Customercare@greenplanetindia.com || www.greenplanetindia.com
Toll Free No : 1800-137-4699